लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 3652

15 दिसम्बर, 2014 को उत्तर के लिए

खनन परियोजनाओं के लिए पर्यावरण संबंधी मंजूरी

3652. श्रीमती मीनाक्षी लेखी:

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) वर्तमान में देश में लौह और मैगनीज खनन परियोजनाएं जो पर्यावरणीय मंजूरी की प्रतीक्षा
में हैं, की संख्या कितनी है;

(ख) इस्पात क्षेत्र में निवेश आकर्षित करने के लिए सरकार द्वारा प्रारंभ किए जाने वाले विशेष प्रयोजन वाहनों (एस. पी. वीज़) और विशेष खनन क्षेत्र (एस. एम. जेड) संयंत्रों की स्थिति क्या है;
और

(ग) सरकार द्वारा इस्पात के क्षेत्र में एस. पी. वी. और एस. एम. जेड्स संयंत्रों को बढ़ावा देने के लिए शीघ्र पर्यावरणीय मंजूरी और क्रियान्वयन के लिए क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

इस्पात और खान राज्य मंत्री **श्री विष्णु देव साय**

(क) : दिनांक 01.11.2014 की स्थिति के अनुसार लोहा और मैगनीज खनन की 13 खनन परियोजनाएं हैं, जिनके लिए पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय से पर्यावरणीय स्वीकृति प्रतीक्षित है।

(ख) और (ग): देश में इस्पात संयंत्रों के विकास के लिए स्पेशल पर्पज व्हीकल (एसपीवी) की अवधारणा के अन्तर्गत एसवीपी को लौह अयस्क की आपूर्ति समेत भूमि और अवसंरचनागत सुविधाएं प्रदान करने के लिए लौह अयस्क से समृद्ध राज्य सरकारों द्वारा सहमति दिया जाना निहित होता है। इस संबंध में संबंधित राज्य सरकारों के साथ विचार-विमर्श चल रहा है। इसी प्रकार देश में लौह अयस्क और कोयला जैसे संसाधनों के त्वरित विकास के लिए विशेष खनन क्षेत्र (एसएमजैड) की अवधारणा पर विचार-विमर्श चल रहा है ताकि बिना किसी अनावश्यक प्रतिबंधों के खनिज पदार्थों के दोहन हेतु प्रक्रियात्मक आवश्यकताओं को सुविधाजनक बनाया जा सके।

***